0

## अर्थशास्त्र- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

	ार्यक्रम: प्र		भाग अ -	The second secon			
			कक्षाः वी.ए. प्रथम	वर्ष: 2021		The state of the s	
1 Ulastran			विषय: ३	Property (CAT)	सन्न: 202	1-22	
1 2		यक्रम का कोड			W. T		
	नाठयक्रम का शायक			AI-ECONIT			
3	1104	क्रम का प्रकार		व्यष्टि अर्थशास्त्र	प्रश्नपत्र 1)	1	
	:(कोर				9.1	11	
	कोर्स/त	इलेक्टिव/जेनेरिक	5	कोर को	2		
	इलेकि	टव/बोकेशनल/	)	2015 (40)	d .		
4		T (Prerequisit		-00	11/10		
	(यदि न		e)	केसी भी संकाय से	12वीं उत्तीर्ण		
5	Distre	म अध्ययन की					
	TIDOUR	म अध्ययन का	इस पाठयक्रम को पूर्ण ज्यवहार और बुनियादी	करने के बाब कि	-00		
	416410	धयां (कोर्स लर्नि	ग व्यवहार और बुनियादी और उत्पादकों के व्यवहा	अवधारणाओं को	गया व्याप्टे अर्थः	शास्त्र के तर्कस	
- 1	आउटका	F) (CLO)					
- 1							
- 1			सक्या विस्तार्थि विकास	20	गायम क निजया	के लाटे ने ~	
- 1				भारत सकता। त्याचित व्यक्ति व्य			
			वन्य सकता व्यष्टि अर्थश	ास्त्र सीखना वास्त्र	mindan doctrial 2	वि अस्ताम्य	
- 1			वाल कई कारकों की		गानना कल्याण ह विक दुनिया में ह	हा अवधारणा में प्रधातिक क	
			वाल कई कारकों की सम	झ हासिल करने व	गायक कल्याण व विकदुनियामें ह गएक प्रभावीत	हा अवधारणा में प्रभावित क ररिका के की	
			वाल कई कारकों की सम	झ हासिल करने व	गायक कल्याण व विकदुनियामें ह गएक प्रभावीत	हा अवधारणा में प्रभावित क ररिका के की	
à	केडिट मान		वालं कई कारकों की समा सामान खरीदने के तरीके, अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्ध समझना महत्वपर्ण है।	झ हासिल करने व	गायक कल्याण व विकदुनियामें ह गएक प्रभावीत	हा अवधारणा में प्रभावित क ररिका के की	
	वेडिट मान इस अंक	<u></u>	वाल कई कारकों की समः सामान खरीवने के तरीके, अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है   6+0=6	झ हासिल करने व	गायक कल्याण व विकदुनियामें ह गएक प्रभावीत	हा अवधारणा में प्रभावित क ररिका के की	
		- C	वाल कई कारकों की समः सामान खरीवने के तरीके, अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है   6+0=6	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् ांतों के बारे में ज	निक दुनिया में ह ग एक प्रभावी त गिरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे ग्राह्म मुल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र	
3	ल अंक	X	वालं कई कारकों की समः सामान खरीवने के तरीके, अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है   6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् ांतों के बारे में ज	विक दुनिया में ह न एक प्रभावी त ग्रीरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे ग्राह्म मुल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र	
3	ल अंक	X	वालं कई कारकों की समः सामान खरीवने के तरीके, अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है   6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् ांतों के बारे में ज	विक दुनिया में ह न एक प्रभावी त ग्रीरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे ग्राह्म मुल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र	
3	ल अंक	X	वालं कई कारकों की समः सामान खरीवने के तरीके, अन्तादः अवेशाखः के सिद्धं समझना महत्वपूर्ण है। 6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75 भाग व- पाठ्यक्रम की त- प्रायोगिक (प्रति सताह धं	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् ांतों के बारे में ज	विक दुनिया में ह न एक प्रभावी त ग्रीरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे ग्राह्म मुल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र	
यान इक	ाई भी कुल स	गंख्या-ट्यूटोरियल	वालं कई कारकों के समः सामान खरीबने के तरीके, अन्तादा अवेशाख्य के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है। 6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75 भाग व-पाठ्यक्रम की त-प्रायोगिक (प्रति ससाह पं विषय	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् रितों के बारे में ज स्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0	विक दुनिया में ह न एक प्रभावी त ग्रीरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे 1 मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र :	
वु यान इक	ल अंक की कुल र	गंख्या-ट्यूटोरियल	वालं कई कारकों के समः सामान खरीबने के तरीके, अन्तादा अवेशाख्य के सिद्ध समझना महत्वपूर्ण है। 6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75 भाग व-पाठ्यक्रम की त-प्रायोगिक (प्रति ससाह पं विषय	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् रितों के बारे में ज स्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0	विक दुनिया में ह न एक प्रभावी त ग्रीरण और साधन निने के लिये व्य	को अवधारणा में प्रभावित क रिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व 33	
वान इक्	ल अंक की कुल स गई	गंड्या-ट्यूटोरियल 1. अर्थश	वाल कर्ड कारजे की समा सामान धरीवन के तरीके, अन्तवाः अर्थवास्त्र के चिद्ध समझना महत्वपूर्ण है। 6+0=6 अभिक्तम अंक: 25+75 माग व-पाठ्यक्रम की त-प्राचोगिक (प्रतिसाह धें विषय	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् ांतों के बारे में ज स्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P:0	ाजक करवाण है निक दुनिया में ह न एक प्रभावी त रिप्ण और साधन नने के लिये व्य नतम उत्तीर्ण अंक:	को अवधारणा में प्रभावित क गरीका है जैसे 1 मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र :	
वान इक्	ल अंक की कुल स गई	गंख्या-ट्यूटोरियल 1. अर्थश 2. अर्थश	वालं कर्ड कारकों की समा सामान खरीन के तरीके, अन्तार: वर्षशाख के सिद्ध समझा गहलपूर्ण हैं   6+0=6 श्रीकेक्स अंक: 25+75 भाग व- पाठककम की त- प्रायोगिक (प्रति सताह चें पाटककम की स्थापिक (प्रति सताह चें स्थापिक की सामाजिक हमार के	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् तों के बारे में ज व्यादन व्यादन विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0	ाजक करवाण है निक दुनिया में ह न एक प्रभावी त रिप्ण और साधन नने के लिये व्य नतम उत्तीर्ण अंक:	को अवधारणा में प्रभावित क रिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व 33	
वान इक्	ल अंक की कुल स गई	गंख्या-ट्यूटोरियर 1. अर्थश 2. अर्थश 3. बास्तां	वाल कर्ड कारकों की समा सामान खरीन के तरीके, अन्तवः वर्षशाख के शिद्ध समस्ता महत्त्वपूर्ण हैं। 6+0=6 अधिकतम अंक: 25+75 माग व- पाठ्यक्रम की त- प्रायोगिक (प्रति सताह पं विषय स्त्र की परिमाधा, क्षेत्र एवं! स्वर का सामालिक शिवात के	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् तों के बारे में ज व्ययवस्त टे में): L-T-P: 0 अकृति अन्य विषयों से सं	विक दुनिया में ह ज एक प्रभावी त गिरण और साधन नने के लिये व्य ततम उत्तीर्ण अंक: 3 घंटे	को अवधारणा में प्रभावित क रिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व 33	
जु दक् । शास	ल अंक की कुल स गई	र्गेष्ठ्या-ट्यूटोरियह 1. अर्थश 2. अर्थश 3. वास्ता 4. आर्थिव	वाल कर्ड कारकों की साम सामान खरीन ने करीके, अत्यादः वर्षशाख के विद्ध समस्तान महत्वपूर्ण हैं। 6+0=6 अधिकाम अंक: 25+75 प्राम व- पाठ्यक्रम भी त- प्राचीगिक (प्रति सामह पं विषय स्व की परिभाषा, क्षेत्र पुत्रे ने सन्त का सामाजिक विज्ञान के वैक पूर्व आदर्शालक अर्थशाल	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् रितों के बारे में ज न्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0 मकृति अन्य विषयों से स	विक दुनिया में ह जा एक प्रभावी ह ग्रीरण और साधन नने के लिये व्य ततम उत्तीर्ण अंक:	हो अवधारणा में प्रभावित क पंतिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व उत्पाख्यान की	
जु दक् । शास	ल अंक की कुल स गई	र्गेष्ठ्या-ट्यूटोरियह 1. अर्थश 2. अर्थश 3. वास्ता 4. आर्थिव	वाल कर्ड कारकों की साम सामान खरीन ने करीके, अत्यादः वर्षशाख के विद्ध समस्तान महत्वपूर्ण हैं। 6+0=6 अधिकाम अंक: 25+75 प्राम व- पाठ्यक्रम भी त- प्राचीगिक (प्रति सामह पं विषय स्व की परिभाषा, क्षेत्र पुत्रे ने सन्त का सामाजिक विज्ञान के वैक पूर्व आदर्शालक अर्थशाल	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् रितों के बारे में ज न्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0 मकृति अन्य विषयों से स	विक दुनिया में ह जा एक प्रभावी ह ग्रीरण और साधन नने के लिये व्य ततम उत्तीर्ण अंक:	को अवधारणा में प्रभावित क रिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व 33	
जु दक् । शास	ल अंक की कुल स गई	1. अर्थश 2. लर्थश 3. बास्ता 4. आर्थिव 5. मूल अ	वालं कर्र कारकों की समा सामान स्वरंभ के तरीके, अलतार अर्थशास्त्र के विद्रह्म समझ्या महत्वपूर्ण हैं। 6+0=6 अधिकका अंक: 25+75 माग क- पाठकका की विषय स्वात के स्वातंभिक (श्री सत्ताह पं विषय स्वातंभिक (श्री सत्ताह प् विषय स्वातंभिक की पाठका स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभीक्ष	झ हासिल करने व उत्पादन मूल्य निश् रितों के बारे में ज न्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P: 0 मकृति अन्य विषयों से स	विक दुनिया में ह जा एक प्रभावी ह ग्रीरण और साधन नने के लिये व्य ततम उत्तीर्ण अंक:	हो अवधारणा में प्रभावित क पंतिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व उत्पाख्यान की	
जु दक् । शास	ल अंक की कुल स गई	1. अर्थश 2. अर्थश 3. वास्ता 4. आर्थिव 5. मूल अ	पाल कर करकों की सामा प्रामान प्रदेग के तरीके, अत्यादः वर्षमायक के तिक सम्मान मामलून हैं। 6+0=6 अधिकार कंट 25+75 माग व- पालकार की त- पा	झ हासिल करते व उत्पादन मूल्य निश् रंतों के बारे में ज न्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P:0 अन्य विषयों से सं इ आप्त विषयों से सं इ प्राप्त (विवेकशील इय	विक हतीया में ह न एक प्रभावी ह ग एक प्रभावी ह गरिण और साध्य- गते के लिये व्य- तवम उत्तीर्ण श्रेक: 3 घंटे वंद्य विधि	हो अवधारणा में प्रभावित क पंतिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व उत्पाख्यान की	
वु यान इक्	ल अंक की कुल स गई	1. अर्थश 2. अर्थश 3. वास्ता 4. आर्थिव 5. मूल अ	वालं कर्र कारकों की समा सामान स्वरंभ के तरीके, अलतार अर्थशास्त्र के विद्रह्म समझ्या महत्वपूर्ण हैं। 6+0=6 अधिकका अंक: 25+75 माग क- पाठकका की विषय स्वात के स्वातंभिक (श्री सत्ताह पं विषय स्वातंभिक (श्री सत्ताह प् विषय स्वातंभिक की पाठका स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभिक स्वातंभीक्ष	झ हासिल करते व उत्पादन मूल्य निश् रंतों के बारे में ज न्यू विषयवस्तु टे में): L-T-P:0 अन्य विषयों से सं इ आप्त विषयों से सं इ प्राप्त (विवेकशील इय	विक हतीया में ह न एक प्रभावी ह ग एक प्रभावी ह गरिण और साध्य- गते के लिये व्य- तवम उत्तीर्ण श्रेक: 3 घंटे वंद्य विधि	हो अवधारणा में प्रभावित क पंतिका है जैसे मूल्य निर्धारण प्रि अर्थशास्त्र व उत्पाख्यान की	

रही प्रेष २वं. इ.२१ (डॉ. स्त्रीमे ६वले)

5/10/21 du

॥. उपभोक्ता का	1. गणनाबाचक दृष्टिकोण - उपयोगिता, सीमांत व कुल उपयोगिता				
व्यवहार	2. सीमांत उपयोगिता हास नियम	-			
	<ol> <li>समसीमांत उपयोगिता नियम, उपभोक्ता की बचत</li> </ol>	1			
	<ol> <li>क्रमबाचक दृष्टिकोण - तटस्थता वक्र विश्लेषण अर्थ व विशेषताएं, उपभोक्ता का संतुलन</li> </ol>				
	<ol> <li>व्यवहारवादी दृष्टिकोण- प्रकट अधिमान सिद्धान्त</li> </ol>	1			
	<ol> <li>मांग का नियम एवं उसके अपवाद - गिफिन वस्तां</li> </ol>				
	7. मांग की लोच -कीमत, आय व आड़ी लोच।				
III.	1. पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच	_			
उत्पादन	2. उत्पादन फलन				
	3. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम				
	4. पैमाने के प्रतिफल				
	5. समोत्पाद वक्र - अर्थ व विशेषताएं				
	6. उत्पादक का संतुलन	18			
	7. पैमाने की वचते				
	8. आगम एवम लागत की अवधारणाएं- कुल, औसत व सीमांत				
IV.					
बाजार एवं मूल्य निर्धारण	<ol> <li>पूर्ण प्रतियोगिता अर्थ एवं नियोगनाः</li> </ol>				
गिवारण	3. पूर्ण प्रतियोगिता एवं शह प्रक्रिकेतिक				
	4. पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत गर्न				
	उ. एकाधकार म कामत व जल्पादन का किल्ल	18			
	<ol> <li>एकाधकार में कीमत विभेद</li> </ol>				
	7. एकाधिकृत प्रतियोगिता				
V.	1. वितरण का सीमांत उत्पादकवा कि वान्त				
साधन कीमत विर्धारण के सिद्धांत	2. वितरण के सिद्धांत				
वारणक सिद्धात	क.लगान				
~0.Y-	ख.मजदूरी				
110.	ग.व्याज				
4	घ.लाभ				
-1-	3. कल्याणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा।				
र विंदु (की वर्ड)/टैग:					
तविक अर्थशास्त्र, आ योगिता, एकाधिकार	दर्शात्मक अर्थशास्त्र, आगमन-निगमन विधि, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन फर , एकाधिकृत प्रतियोगिता, सीमांत उत्पादकता।	तन, पर्ण			
स- अनुशंसित अध्य	युन संस्थापन				
9		1 700			
	पाठव पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन /ग्रन्थ/अन्य पाठव संसाधन/पाठ्य सामग्री:				

्रीप्रें 29.5.21 (डॉ. र्साप्ते टबले

Ou



- तस्त्रा सी.एस. पूरण कर्पसास्त्र के सिद्धान्त, एस चांच एण्ड कथनी, नर्द दिन्ती नवीनतम संस्करण
   तस्त्रा सी.एस. पूरण कर्पसास्त्र केताल प्रिकिशित हारख, अच्छुद वर्गनातम संस्करण
   तिया एम. पूर्ण न्यांड कर्पसास्त्र इत्तर प्रिकेशित हारख, अच्छुद वर्गनातम संस्करण
   तिया एम. पूर्ण न्यांड कर्पसास्त्र इत्तर प्रिकेशित हारख, हिमालया पिलिशित हारख सुंबई |
   तिया एम.क. एवं इर्गती के. 2001 उच्चर व्यक्ति क्षाणिक विद्यान, हिमालया पिलिशित हारख सुंबई |
   ते केट एम.एल. न्यांडि कर्पसाद्व |
   तंत्र के.सी. एवं विभाव जेती, सुरमावर्गसाद्व , साहित्यभवन पिलिश्चान, ज्ञाचरा
   तिवास सी.ती.एवं विनात पुष्पा, व्यक्तिसंत्र इ.स.ह. P.D.भिलिश्चान, ज्ञाचरा
   तिवास सी.ती.एवं विनात पुष्पा, व्यक्तिसंत्र इ.स.ह. P.D.भिलिश्चान, ज्ञाचरा
   तिवास सी.ती.एवं विनात पुष्पा, व्यक्तिसंत्र इ.स.ह. P.D.भिलिश्चान, ज्ञाचरा
   तत्र हार्गासित विनात पुष्पा, व्यक्तिसंत्र इ.स.ह.ह. हार्गस्ति हार्गसाद्व हार्य हार्गसाद्व हार्य हार्गसाद्व हार्य हार्गसाद्व हार्गसाद्व हार्य हार्गसाद्व हार्य हार्गसाद्व हार्य हार्य हार्

भाग र - अनुसंसित मूल्यांकन निधियाः अधिकतम् अंकः 100 तत्त आपकः मूल्यांकन (CCE) अंकः 25विश्वतियाज्ञयीन परीक्षा (UE) अंकः 75 आंतरिकः मूल्यांकन (CCE): अंतरिकः मूल्यांकन (CCE): 15 10 आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा; कुल अंक :25 अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (व): भार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्ष उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) 03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 समय- 02.00 घंटे 02 x 15 = 30 कोई टिप्पणी/सुझाव: कुल अंक 75

न्हीरिष 29.5.21 (डॉ. सामि दवले)





Economics - Syllabus of Theory Paper

Pro	Program: Certificate		Part A Introduction				
-	Braun Cel	tineate	Class: B.A. I year	Year: 2021	Session:2021-2		
1	Course	e Code	Subject: Economics	Subject: Economics			
2	Cours	Title		A1-ECONIT			
3	Course	Type (Core	MICRO	MICRO ECONOMICS (Paper 1)			
1	Course	Elective/Cononia		CORE COURS	(raper 1)		
	Electiv	e/Vocational/)			D		
4	Pre-requisite (if any)		10.1				
5	Course	Learning outcome	12th Pass in Any Dise	ipline	and the second		
1 .				is course, stude	ente veill L. 11		
1	1	(CLO)	understand rational	habout	will be able		
	1		miones	benaviour and	d fundamentals		
	1						
	1						
			Students will be able t	and men	optimum decision		
1			They will be also able	to avalet a	printing production		
1			and concept of	to explain the th	eory of distributio		
1							
- 1			microeconomics is a	m eveell	Dearming		
1			understanding of	- executent p	vay to gain ar		
- 1			understanding of many world, such as methods	factors that affi	ect us in the real-		
- 1							
- 1		18 1	and input pricing, Ultim	otale 1	s, product pricing		
		6.	and input pricing. Ultim	mery, learning r	nicroeconomics is		
6 C	redit Valu	ie s	m rearing about the	by in learning about the principles of economics.			
7 T	otal Mark						
137		Part I	Max. Marks: 25+75		D		
rai No. (	of Lecture	s-Tutorials-Practi	3- Content of the Course	Aviii.	Passing Marks:33		
t t	5		3- Content of the Course cal (in hours per week):	3 hours	Carried Street, Street		
-	DV.	Topics					
16	A				No. of		
1 10		1. Definition	0		Lectures		
		2 m	Scope and Nature of Eco	nomics			
		2. Relation o	f Economics with other	C			
	1	Subjects	and other	Social Science			
I.	L 3. Positiv		d Normative Economics				
roducti	. 1	4. Methods of	f P-		- 1		
conom	on of	Deductive r	f Economic Analysis - nethods.	Inductive and			
сонош	ics	5 Paris G	neurous.	alid	18		
		Patient Con	cepts - Commodity,				
		Chair-	haviour, Economic Law	value,			
		gnoices	monito Law	s, wants and			
		6. Central Pro	blems of An Economy				
		Possibility C	urve of An Economy	-Production			
		00:					

्रिकेटिया (जॉ. शामित्वले)

	1. Cardinal A	(3)
II. Consumer Behaviour	Cardinal Approach – Utility, Marginal Utility and Total Utility     Law of Diminishing Marginal Utility     Law of Equi – Marginal Utility     Law of Equi – Marginal Utility, Consumer's Surplus     Ordinal Approach—Indifference curve- Meaning and Churacteristics, Consumer's Equilibrium     Behavioural Approach – Revealed Preference Theory     Law of Demand and its exceptions- Giffen goods     Elasticity of Demand - Price, Income and Cross Elasticity	18
III. Production	Law of Supply and Elasticity of Supply     Production Function     Law of Variable Proportions     Returns to Scale     Iso Product Curve – Meaning and Characteristics,     Producer's Equilibrium     Economies of Scale     Cincopt of Revenue and Cost -Total, Average and Magfinal	18
IV. Market and Price Determination	I. Meaning and Classification CV	8
Unit V leory of Factor Pricing	Marginal Productivity Theory of Distribution     Theories of Distribution     Rent     Rent     Wage     Interest     Profit     Occupated Welfare Economics	
5/10/2	र्याक्ष्यं इंग्रेश (जिंद्यानि दवले)	College College

25

Keyworld Tags: Positive Economics, Normative Economics, Inductive and Deductive methods, Consumer Behaviour, Production Function, Perfect Competition, Monopoly, Monopolistic Marginal Productivity.

Part C-Learning Resources

Test Books, Reference Books, Other resources

1. Suggested Resources Test Books, Mirrore Books, Other resources

1. Adaps, H.L. Calaset, Addition, Principles of Micro Economics, Sultan Chand and Company, New Delhi (Hindi and English Versions).

1. Annua, H.I.s (Lauses Australia).
 New Delhi (Hindi and English Versions).
 New Delhi (Hindi and English Versions).
 2. Barla, C.S. (Latest Addition), Micro Economics, National Publishing House, Jaipur, New

Dent (stand and Engitin Versions).

3. Jhingan, M.L. (Latest Addition), Micro Economic, Vrinda Publication, New Delhi (Hindi and English Versions).\ and engusar versions<sub>3,7</sub>

4. Karl E. Case and Ray C. Fair, (2007), Principles of Economics, 8th Ed., Pearson Education

5. Koutseyiannis, A. (1979), Modern Microeconomics, (2nd Edition), Macmillan Press,

 Kreps, David M. (1990), A Course in Microeconomic Theory, Princeton University Press 7. Mankiw, G. (2010), Principles of Microeconomics, 6th ed., South-Western College

Punication, USA.

8. Misra, S. K. and Puri, V. K. (2001) - Advanced Micro Economic Theory, Himalaya

Misra, S. K. and Puri, V. K. (2001) – Advanced Micro Economic Theory, Himalaya Publishing House, Bombay (Hindi and English Versions).
 Salvatore D. (2006), Microceonomics-Theory and Applications, Oxford University Press
 Salvatore D. (2002) Theory and Problems of Microeconomic Theory, Schaum's Outline Series, McGraw-Hill Book Company, Singapore

11. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे.पी. सुक्ष्म अर्थशास्त्र ,साहित्यअवन पश्लिकेशन, आगरा

12. सिन्हा वी.सी.एवं सिन्हा पुष्पा , व्यष्टि अर्थशास्त्र,S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा

13. Sinha V.C. and SrivastavRitu , (2020-21) S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा

Suggestive Digital Platform:

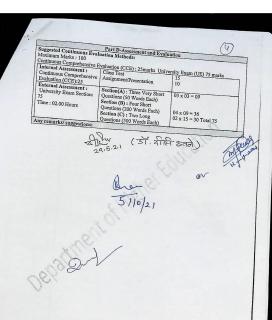
1 https://epsp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

2 https://vidvamitra.infilhnet.ac.infindex.php/seurch?subject%58%5D-&course%58%5D-F undamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+S

3 https://www.swayamprabha.gov.jp/index.php/channel\_profile/profile/7

Suggested equivalent online courses:: http://www.mcafee.co/Introecon/IEA2007.pdf

रिक्षिण १५,5.21 (डॉ. मार्च दवले) किंग



अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

		The second second	जन्म अन्यापन अन्नपत्र पाठ्यक्रम				
	कार	क्रिमः प्रमाण पत्र	भाग अ - परिचय				
		स्थान पत्र	किया भी ए प्रथम				
	1	पाठवक्रम का कोड	विषय: अर्थशास्त्र । सन:20	21-22			
- 1	2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	A1-ECON2T				
	3	पाठ्यक्रम का प्रकार	भारतीय अर्थव्यवस्था (प्रश्न पत्र 2				
.		:(कोर					
- 1	- 1	कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक					
-	4	इलेक्टब/बोकेशनल/	.)	111			
1	1.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite (यदि कोई हो)	किसी भी संकाय से 12वीं उत्सीर्ण	-0			
	5 1	।।ठ्यक्रम अध्ययन की	ना सकाय स 12वीं उत्सीर्ण				
	/ 4	रिलब्धियां (कोर्स लिनिर	इत पाठयक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी भारतीय अर्थ अध्ययन कर अपने विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि कर				
	व	ाउटकम) (CLO)	भारत के पान विश्लेषणात्मक कीशल में अधिनारि	व्यवस्था का विस्तृत			
		, , ==0,	समस्यान के ने निर्माण विदेशी व्यापार, आर्थिक विक्रोन	ा न सलम हागा वे			
-	1		विभिन्न प्रमानित मुद्दों से परिचित होंगें तथा करन	।र ।वाभन्न आर्थिक			
6	新	ट मान	विभिन्न पहलुओं को भी समझ सकेरो   भारतीय अर्थव्यवस्थ सुरवों की ब्याख्या एवं विश्लेषण करने में विद्यार्थी सक्ष्म होंगे 4 स्वां की ब्याख्या एवं विश्लेषण करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे	का अथव्यवस्था के			
7	कुल	अंक	6+0=6	म नद्माना आर			
			आधकतम् अंकः २५४७६				
व्याख्य	न की	कुल संख्या-ठारोगिक	माग व- पाठ्यक्रम की विषयवस्त	币: 33			
1 1	दकाई	7011(46)	न्यूनतम उत्तीर्थ अ न्याग व-पाठ्यक्रम की विभववस्तु - प्रायोगिक (प्रति सताह घंटे ग): L-T-P: 03 घंटे विका				
1							
1	1. रेचय	1. भारती	य अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ	व्याख्यान की			
1 41	रचय			संख्या			
1		3. श्रमशस्	भ भा क्षत्राय सरचना एवं प्रवृत्ति के का क्षेत्रीय वितरण	1 1			
103	34	- । भाकातव	Tiprer-	18			
1 13	1	5. जनांकिन	ज्यावन सम्पदा- भूमि, जल, पशुधन ,चन, खनिज निय विशेषताएँ- जनसंख्या की संरचना, आकार एवं बृद्धि दर य की समस्या एवं जनसंख्या नीति				
11.	-	<ol> <li>जनाधिय</li> </ol>	य की सामान				
कृषि		ं भारताय	कृपि की प्राति				
544							
		4. हरित क्रांति	क्रिज्य अत्पादकता की प्रवृत्तियां	18			
		5. कृषि विह्न	हरित क्रांति- उद्देश्य ,मफलवाएं एवं विफलताएं कृषि विस्त एवं वीमा				
		6. कृषि विषण	पे विपणन				
	_	7. कृषि में नवी	and a				
	0	1 0.7					
0	7	1 -211E	ंड.21 डॉ. दी। ही दबले				
()		29	.इ.२। वासिटवर्न	51.01			
U			( Alex	2/10/			
				21.			
			6 Visker				

III. उद्योग एवं	1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत का औद्योगिक विकास	
आधारभूत संरचना	2. नई आधारिक नीति 1991	
	3. औद्योगीकरण में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भूमिका	18
	<ol> <li>पूर्वम, लधु एवं मध्यम उपक्रम(MSME)-परिभाषा, विशेषताएँ एवं इनकी भूमिका</li> </ol>	18
	<ol> <li>लघु एवं कुटीर उद्योगों की समस्याएं एवं समाधान</li> </ol>	
	<ol> <li>स्टार्टअप इण्डिया, मेक इन इण्डिया एवं आत्मिनिर्भर भारत</li> </ol>	
	<ol> <li>आधारभूत संरचना – ऊर्जा, परिवहन एवं संचार</li> </ol>	
IV.	1. भारत का विदेशी व्यापार-महत्व, दशा व दिशा	
विदेशी व्यापार एवं विकास	2. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका	
विकास	3. भारत में विनिवेश	
	4. भारतीय नियोजन- उद्देश्य, सफलताएं एवं विफलताएं	18
	5. नीति आयोग	
	<ol> <li>भारतीय आर्थिक समस्याएं-गरीबी, वेरोजगारी एवं क्षेत्रीय विषमताएं</li> </ol>	
V.	<ol> <li>मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषसाएं</li> </ol>	
मध्यप्रदेश की	2. मध्यप्रदेश के प्राकृतिक संसाधन - भूमि, जल, वन, खनिज	
वर्यव्यवस्था	<ol> <li>मध्यप्रदेश में कृषि की क्षेत्रीय विषमताएं एवं प्रवृत्तियाँ</li> </ol>	
	<ol> <li>मध्यप्रदेश में जैविक खेती एवं पॉलीधर</li> </ol>	18
	<ol> <li>मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास</li> </ol>	
	6. मध्यप्रदेश में आधारभूत संरचना का विकास - ऊर्जा, परिवहन एवं संचार	
	7. मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास	
	<ol> <li>मध्यप्रदेश में रोजगार मूलक योजनाएं</li> </ol>	

क्षेत्रीय संरचना, भारत के मानवीय संसाधन, भारतीय कृषि, औष्योगीकरण, आधारभृत संरचना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेल, क्षेत्रीय विषयताएं, जैविक खेती और औष्योगिक विकास।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठव संसाधन/पाठव सामग्री: मिश्रा एवं पुरी - भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पिकाशिंग हाउस ,नई दिल्ली ।

- 2. रूद्रदत्त एवं सुन्दरम- भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
- रूद्रदत्त-विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप प्रिक्तिकशन प्रा.लि., नई दिल्ली ।

जे,प्री. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पळिनकेशन, आगरा ।

4. के और भिया - भारतीय वर्षकवस्था, साहित्य भवन पोळनशान, श्रामरा।

5. Panagariya, Arvind. (2020):India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, Harper Collins

2. प्राप्ति कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा

5/10/21

(or

e-conserts india 6. Hariharan, N. P. (2008) – Lights and Shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.

7. Uma Kapila (20th Edition) (2009) - Indian Economy since Independence, Academic

Reserve Bank of India -Annual Reports.

Annual Economic Survey, Government of India (Latest).

Brahmananda, P. R. and V. R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.

11. Government of India, Planning Commission, 12th Five Year Plan, New Delhi

12. मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020-2021,आर्थिक एवं सांडियकी संचालनालय , भोपाल मध्यप्रदेश

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1.http://des.mp.gov.in/Portals/0/Economic Survey %202020-21.pdf

Taltury/West.mp.gov/in/Prortate/Urecomonic Survey %20/2000-21.pdf
2.http://www.in/bindubudest.gov/in/cocomonicsurvey/book\_e-go/20/Endex.html
3.www.in/diabudgest.gov/in/cocomonicsurvey/
4.https://www.idv.gov/in/cocomonicsurvey/
4.https://www.idv.gov/in/cocomonicsurvey/
4.https://www.idv.gov/in/cocomonicsurvey/
5.https://www.idv.gov/in/cocomonicsurvey/
5.https://ww 

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75 अंतरिक मूल्यांकन; सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण (प्रेजेटेशन) 10 कुल अंक :25 आकलने : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: अनुमाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) 03 x 03 = 09 अनुमाग (व): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुमाग (व): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुमाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) 04 x 09 = 36 समय- 02.00 घंटे 02 x 15 = 30

कोई टिप्पणी/सुझाव:

सीरीय डॉ. सीमि दबले 29.5.21

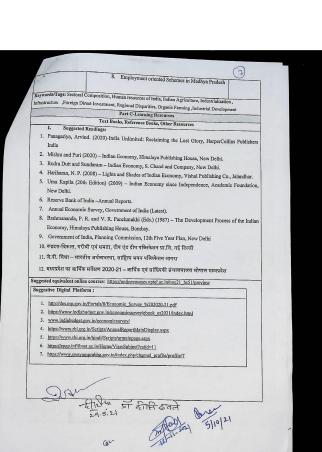
-	-
1	61
- 1	0/
1	. /

_	ram: Certificate		Class: B.A. I Year	Year: 2021 Fryear	Session:2021	1-22
1	Course Code		Subject: Economics			
2	Course Title		Al-ECON			
3	Course Type (Core		IN	DIAN ECONOL	MY(Paper 2)	
	Course/Elective/Generic Elective/Vocational/)		CORE COURSE			
4	Pre-requisite (if any)	12 th Pass in Any Dis	-1-0			
5	Course Learning outcomes (C	CLO)	After completing thi			
			analytical skills by I economy. They wi Agriculture, Industry various Economic Pr with broad overview able to develop, anal Indian Economy.	ll be familiar , Foreign Tra oblems of India of Madhya Pra	with the issu de, Economic . Students will desh Economy.	Planning and be acquainted They will be
б	Credit Value			06		
7	Total Marks	-	Max. Marks: 25+75		fin. Passing Mar	
(2)	The same of the sa	Part	B- Content of the Cou	IV	un. Passing Mar	ks: 33
T-P	Unit					
_			Topics			No. of Lectures
I	I. stroduction s	2. Tren 3. Sect 4. Natu Live 5. Dem and 6 6. Prob	Topics  racteristics of Indian Ec ds and Sectoral Compo oral Distribution of Wo ral Resource Endowme stock, Forest and Mine ographic Features - Pop Trowth Rates lems and Causes of Ove lation Policy	sition of Nation rkforce nts- Land, Wate als sulation Compo	sition, Size	
	I. Antroduction S	2. Tren 3. Sect 4. Natu Live 5. Dem and 6 6. Prob Popu Natu Agric	racteristics of Indian Ecosts and Sectoral Composoral Distribution of Woral Resource Endowmestock, Forest and Miner ographic Features - Pogrowth Rates	sition of Nation rkforce nts- Land, Wate als unlation Composi- er-Population are	sition, Size	Lectures

5/10/21

ar-

	Land Use Pattern and Land Reforms     Trends in Agricultural Production and Productivity	
-	Trends in Agricultural Production and Productivity     Green Revolution-Objectives, Achievements and	18
	Failures	
	Agriculture Finance and Insurance	
	Agriculture Marketing	
-	7. New Technology in Agriculture	
	Industrial Development of India after Independence	
	New Industrial Policy of 1991     Role of Public Sector and Private Sector in	
m	Industrialization	
Industry and	MSME- Definition , Characteristics and Its Role	18
Infrastructure	<ol> <li>Problems and Remedies of Small-Scale and Cottage</li> </ol>	
	Industries	
	6. Start-up India, Make in India and Aatm Nirbhar Bharat	
	7. Infrastructure Composition -Power, Transport and	
	Communication	
	India's Foreign Trade- Importance, Composition and Direction	
	Role of Foreign Direct Investment, Multinational	
Unit IV	Corporations Direct Investment, Multinational	
Foreign Trade and	Disinvestment in India	
Development	4. Indian Planning -Objectives, Achievements and	18
	Failures	
	5. NITI Aayog	
	<ol> <li>Indian Economic Problems – Poverty ,</li> </ol>	
	Unemployment and Regional Inequality	
	Total Caralles of Madnya Pradesh's Economy	
	2. Natural Resources of Madhya Pradesh- Land,	
Unit V	Forest, Water and Minerals	
conomy of Madhya	3. Trends and Regional Disparities in Agriculture	
Pradesh	Sector of Madhya Pradesh	18
. 7.	4. Organic Farming and Polyhouse in Madhya	
	Pradesh	
	Industrial Development in Madhya Pradesh	
	6. Infrastructure Development in Madhya Pradesh	
	Power, Transport and Communication	
	7. Development of Tourism in Madhya Pradesh	
03	Arly 400	
0	न्यार्था डॉ. शीम टबली	SIX
	House	1 2 19
	College	- 2/2/
	/ Park	3
		0



Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks: 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25marks University Exam (UE) 75 marks

Internal Assessment: Class Test Assignment/Presentation | 15 Evaluation (CCE):25

External Assessment:
University Exam Section: 75
Time: 02.00 Hours Section(A): Three Very Short Questions (50 Words Each) Section (B): Four Short Questions (200 Words Each) Section (C): Two Long Questions (500 Words Each) 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 Total 75 Any Remarks/ Suggestions:

द्वारी अर्. क्वांस हत्त्व ON & PANN